बिलीफ या मान्यता या विश्वास

बिलीफ या मान्यता या विश्वास पिछली श्रृंखला में मैं आपको एक बच्चे की वास्तविक कहानी बता रहा था जिसमें वो फिल्म प्रोडक्शन हाऊस तक तो पहुंच गया लेकिन वो असमंजस की स्थिति में है कि यदि मैं फेल हो गया तो सारी इच्छाओं पर पानी फिर जाएगा।

लेकिन फिर भी वो साक्षात्कार देने के लिए किसी कम्पनी में जाता है तो उसे डर लग रहा है और वो मान लीजिए फेल हो गया तो उसका बिलीफ क्या बन जाएगा, निश्चित रूप से वो फेल्युअर वाला होगा या कहेगा कि मैं तो असफल हो गया। अर्थात् ज्ञान तथा अनुभव में उसे अनुभव असफलता का हो गया। लेकिन इच्छा बची है कि मैंने कोशिश तो की लेकिन मैं नहीं कर पाया। चलो मैं एक बार मान लेता हूं कि आप दूसरे ऑडिशन में जाते हो लेकिन वहां भी आप फेल हो जाते हो तो आपका विश्वास या मान्यता या बिलीफ और ही कम हो जाएगा। अब आप मायूस हो जाएंगे। अब आपके पास दो विकल्प हैं या तो आप उस इच्छा को बिल्कुल छोड़ देंगे या फिर आपके अंदर ज़िद् है कि मुझे तो करना ही है। लेकिन दूसरी तरफ विश्वास टूटता ही जा रहा है। आपने जैसे ही इच्छा को शक्तिशाली बनाया तो अब आपका मन किसी भी तरह से उसे पूरा करने की कोशिश करेगा। अब मैं यहां आपका एक और बात पर ध्यान खिंचवाता हूं कि ऐसी अवस्था में ही गलत काम होते हैं। आपने देखा होगा, अखबारों में रोज़ समाचार आते हैं कि फलाने घर की लड़की या लड़के को अमुक व्यक्ति एक्टर बनाने का या काम दिलवाने का झांसा देकर फरार हो गया। इसमें अच्छे-अच्छे घराने की लड़कियाँ भी फंस जाती हैं क्योंकि इच्छाएं बहुत शक्तिशाली हैं तो उसे पूरा करने के लिए उनको गलत काम करने पड़ जाते हैं। अब इसमें सामने वाले का क्या दोष है? क्या वो आपसे गलत काम करवा रहा है या आपकी इच्छाएं आपसे गलत काम करवा रही हैं? अगर आप एक एक्टर बन भी जाओ तो आपका आधार क्या होगा? आपका सच एक दिन आपके सामने आएगा कि आप क्या हो? क्योंकि आपका बिलीफ अभी भी कमज़ोर है, आपने कोई भी ज्ञान तथा अनुभव इसके बारे में प्राप्त नहीं किया है। और जैसे ही आप फिल्म करोगे तो या तो फिल्म आधे में ही छूट जाएगी या फिर खत्म हो जाएगी क्योंकि आपको एक्टिंग आती नहीं, और आज यही हो रहा है जो लोग असफल होकर वापस आ रहे हैं उनका यही मुख्य कारण है। अब सभी अगर अपनी इस हसरत को पूरा करना चाहते हैं तो क्या करेंगे? या तो वो कोई एक्टिंग स्कूल में एडमिशन ले लेंगे या फिर किसी अनुभवी व्यक्ति के सानिध्य में उसके अनुभवों द्वारा सीखेंगे। अब मैं पहले को लेता हूँ कि मैंने जाकर एडमिशन ले लिया और जैसे ही मैं पहली क्लास में जाऊँगा, मैं कितना पानी में हूँ ये मुझे नज़र आ जाएगा। अर्थात् मुझे एक्टिंग आती है या नहीं उसकी पहचान हो जाएगी। इसमें मुझे ये तो पता चल ही जाएगा कि मैं सिर्फ प्रभावित होकर करना चाहता हूँ या इसमें मेरी दिलचस्पी है या सिर्फ करने की इच्छा है। सबकुछ आइने की तरह साफ होता नज़र आएगा। चलिए मैं दो-तीन महीने में एक्टिंग का कोर्स सीख भी लेता हूँ और उसमें अपनी क्षमता को भी जान लेता हूँ फिर भी क्या मुझे सफलता मिलने की प्रायिकता बढ़ जाएगी? या फिर अभी भी मैं संघर्ष करुँगा? पता है क्यों मैं यह बात कह रहा हूँ, क्योंकि अभी भी मैं स्पष्ट नहीं हूँ कि मैं एक विशेष कलाकार बनना चाहता हूँ या हीरो बनना चाहता हूँ। यदि मैं विशेष कलाकार बनना चाहता हूँ तो इसकी शुरुआत मैं एक छोटे-मोटे रोल से भी कर सकता हूँ। लेकिन मैं यदि चाहूँ कि मुझे हीरो ही बनना है तो मैं हर रोल को ठुकरा दूँगा। आज यही हो रहा है कि लोग नेम-फेम के चक्कर में बस अपने दिमाग में वही छवि, वही नाम और शोहरत लेकर चल रहे हैं कि मुझे तो हीरो ही बनना है। आज जितने भी बड़े-बड़े निर्माता और निर्देशक हैं वे सभी अच्छे एक्टर्स की तलाश में हैं न कि हीरो की। इसीलिए अगर किसी का चेहरा हीरो जैसा नहीं भी है लेकिन वो एक्टर अच्छा है तो इंडस्ट्री में सफल हो जाएगा, लेकिन ऐसे बहुत ही कम लोग हैं। जो बाहर से देखने में तो हीरो लगते हैं पर अंदर से ज़ीरो हैं, ज़ीरो का अर्थ ये है कि उनका ज्ञान तथा अनुभव एक्टिंग के बारे में कुछ भी नहीं है, इसलिए उनका विश्वास या बिलीफ इस चीज़ के बारे में और ही कमज़ोर होता जाएगा। मुझे तो पता है कि मुझे तो एक्टिंग आती नहीं, इसलिए मैं असफल हो गया। यहाँ फिर आपकी गलत पसंद है कि यदि आप हीरो न बनके अच्छी एक्टिंग पर ध्यान देते तो शायद आपकी सफलता की संभावनाएँ ज़्यादा नज़र आतीं और आप अपने करियर में कुछ कर जाते और आपका बिलीफ इसमें शक्तिशाली हो जाता।

-क्रमश: -ब्र.कु.अनुज, दिल्ली।

PEACE OF MIND - TV CHANNEL

Cable network service
"C" Band with Mpeg4 receiver
Frequency:4054,
Polarisation:Horizontal, Degree: 83
Symbol:13230, Satellite:INSAT 4A,
Peace of Mind: (Vision Shiksha)

DTH Services
Videocon D2H: Channel no. 497,
Reliance Big TV: Channel no. 171

Smart Phone Service
Android | Blackberry | iPhone | iPad | Tablet | Visit: http://pmtv.in

Mobile Audio Service
Airtel - 55231 - Rs.2 per day
Vodafone - 552013 - Rs 1 per day
Reliance - 56300123 Rs 1 per day

अगर आप पीस ऑफ माइण्ड चैनल चालु करवाना चाहते हैं तो अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें - 9414151111, 8104777111

सूचना–ओम शान्ति मीडिया में सेवा के लिए हिन्दी व अंग्रेजी भाषा की जानकारी रखने व पत्रकारिता के अनुभवी भाइयों की आवश्यकता है। ई.मेल, वेबसाइट तथा सॉफ्टवेयर की भी जानकारी हो। ईश्वरीय सेवा के इच्छुक भाई अपना पूरा डाटा इस ईमेल पर भेजें-
Email- mediabkm@gmail.com
M-8107119445

मन की बातें

-ब्र.कु. सूर्य

प्रश्न - मैं एक कन्या हूँ। मेरे अंकल ही हमारे ऊपर बहुत तंत्र-मंत्र करते हैं। वो चाहते हैं कि केवल उनका नाम ही हो, हमारा नहीं। हम उनसे बहुत तंग आ चुके हैं। इससे बचने का हम क्या उपाय करें?

उत्तर- दूसरों पर तंत्र-मंत्र का प्रयोग करके कई लोग बहुत पाप कर रहे हैं। ऐसे लोगों की दुर्गति तो निश्चित है, पर आपके साथ तो स्वयं भगवान है। आपको तो थोड़ा-बहुत कष्ट ही हो सकता है, बाकि तंत्र-मंत्र की शक्ति राजयोग की शक्ति के आगे गौण है। आप अपने अंकल के लिए शुभ-भावनाएँ रखा करो। भले ही वे आपके लिए शत्रुता रखते हैं, पर आप उसके लिए मित्र बनकर रहो। अपने घर में आधे-आधे घण्टे इस स्वमान से योग किया करो कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ और सर्वशक्तिवान की किरणें मुझ में समाकर पूरे घर में फैल रही हैं। दूसरी बात सारा दिन इस स्वमान का अभ्यास करना कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ और तीसरी बात एक लोटे में पानी लेना, उसे दृष्टि देकर 21बार ये संकल्प करना कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ और फिर रोज उस पानी को पूरे घर में छिड़क देना। इससे उसके तंत्र-मंत्र के सभी प्रयोग नष्ट होते रहेंगे और राजयोग के समक्ष उसे हार माननी पड़ेगी।

प्रश्न- मैं लंडन से 30 वर्षीय माता हूँ। मेरा 3 मास का बच्चा है जो दूध नहीं पीता। डॉक्टर्स को उसकी बीमारी कुछ भी समझ में नहीं आ रही है। बच्चा दिनों दिन कमज़ोर होता जा रहा है। क्या आध्यात्मिक शक्ति उसे मदद कर सकती है?

उत्तर- बच्चों के साथ बचपन से ये जो कुछ भी होता है, इसके जिम्मेवार उनके पूर्व जन्म के कर्म ही हैं, जो किसी भी डॉक्टर की पकड़ में नहीं आ सकते। आप निम्नलिखित उपाय करें–
1.प्रतिदिन बच्चे के लिए एक घण्टा राजयोग मेडिटेशन करें। ये आप 21 दिन तक करें। 2.उसके ब्रेन को प्रतिदिन 10 मिनट तक एनर्जी दें। इसकी विधि है - अपने दोनों हाथ मलते हुए 7 बार संकल्प करें कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ फिर अपने ये दोनों हाथ बच्चे के सिर पर दोनों तरफ रख दें। ऐसा दिन में 10 बार करें। इससे उसका ब्रेन ठीक रीति से विकसित होने लगेगा और समस्या समाप्त हो जाएगी।

प्रश्न- मेरा नाम सुरेश है। मेरी पत्नी एक विशेष बीमारी से ग्रस्त है। वह हर चीज को छूने से पहले और बाद में हाथ धोती है और डिप्रेशन में आती जा रही है। इसके कारण हमारे घर में खुशी का माहौल खत्म होता जा रहा है। इसका उपचार कहीं भी दिखायी नहीं दे रहा है। कृप्या कुछ सुझाव दें।

उत्तर- आपकी समस्या तो निश्चित रुप से विकट है और ये भी कहीं ना कहीं पूर्व जन्मों के बंधन के कारण ही है। आप या आपकी पत्नी एक घण्टा प्रतिदिन योग करें ताकि वो कर्मों का बंधन कट जाए। दूसरा, आप अपने घर में अच्छी-अच्छी क्लासेस चलाते रहें और बीच-बीच में बाबा के ज्ञान-योग के गीत चलायें। साथ ही इस बात को ज्यादा तूल ना दें और ना इसे चर्चा में लायें। तीसरा, रात को सोने से पहले उन्हें कहें कि वो 108 बार लिखें कि मैं एक महान आत्मा हूँ। चौथा, आप स्वयं उनके ब्रेन को 10 मिनट एनर्जी दें। इससे उनकी ये समस्या दूर हो जाएगी।

प्रश्न- मैं अमेरिका में हूँ। मेरी बड़ी बहन का लड़का एम.एस. कर रहा है। उसे अच्छी जॉब के लिए क्या उपाय करना चाहिए?

उत्तर- जिसकी मनोस्थिति अच्छी होती है, उसे बिना किसी प्रयास के ही अच्छी जॉब मिल जाती है परंतु जिनके मन में नेगेटिविटी बहुत हो या जिनका चरित्र अच्छा नहीं हो, उन्हें जॉब मिलने में समय लग जाता है।

आप उन्हें कहें कि वे प्रतिदिन सवेरे उठते ही 7 बार याद किया करें कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ और सफलता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है। साथ ही 21 दिन तक प्रतिदिन एक घण्टा इसी स्वमान से योगाभ्यास करें। इन अभ्यासों से इन्हें सहज ही मनइच्छित जॉब मिल जाएगी।

प्रश्न - मैं एक साल से ज्ञान में हूँ। जब भी मैं योग करता हूँ, सूक्ष्मलोक जाता हूँ तो कुछ ही देर में ब्रह्मा बाबा का बड़ा विकराल रुप दिखता है और कुछ ही देर में मैं नीचे आकर गिर जाता हूँ। मेरी समझ में नहीं आता कि मेरे साथ योग में ऐसा क्यों हो रहा है? ब्रह्मा बाबा का ऐसा स्वरुप मुझे ना दिखाई दे, इसके लिये मुझे क्या करना चाहिए? कभी-कभी बाबा के ट्रांसलाइट में ब्रह्मा बाबा को देखता हूँ तो भी मुझे बहुत डरावनी आकृति दिखाई देती है।

उत्तर- आपके इस योगाभ्यास में भटकती हुई आत्माएँ आपको परेशान कर रही हैं। सूक्ष्मलोक तक तो आप जाते ही नहीं, बीच में ही आपको ये भटकती आत्माएँ रोककर ऐसा स्वरुप दिखा देती हैं और बाबा के ट्रांसलाइट से भी आपको जो बुरी फीलिंग होती है, वो भी यही है। कोई भटकती हुई आत्मा आपके योग में व्यवधान डाल रही है। आप योग इस तरह किया करें कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ और सर्वशक्तिवान की मेरे सिर पर छत्रछाया है। साथ ही 21 दिन तक रोज 108 बार याद करना कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ। उस आत्मा की मुक्ति के लिए 21 दिन तक 1 घण्टा रोज योगदान करो। योग से पूर्व दो स्वमान याद करना कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ और मास्टर मुक्तिदाता हूँ। बस आप सदा के लिए इस समस्या से मुक्त हो जायेंगे।

Contact e-mail - bksurya8@yahoo.com

नदवई। रक्षाबंधन के अवसर पर उद्योगपति अनुपम अग्रवाल, भरत अग्रवाल व देवव्रत अग्रवाल को राखी बांधने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. प्रवीणा।

रीवा। पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षु पुलिसकर्मियों को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. निर्मला व ब्र.कु. नीलू।